



॥ इन्द्र यंत्र पूजा विधि ॥

इन्द्र देव पूजा, जो कोई नर करे  
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल  
बनावे

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ इन्द्र यंत्र पूजा विधि ॥

इन्द्र देव का इन्द्र यंत्र शक्ति, सम्मान, वर्षा कृपा, पद-प्रतिष्ठा और समृद्धि प्राप्त करने के लिए पूजित किया जाता है। मान्यता है कि नियमित श्रद्धा से इसकी पूजा करने पर जीवन में उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

### इन्द्र यंत्र स्थापना का शुभ समय

गुरुवार, रविवार या शुक्ल पक्ष का दिन शुभ माना जाता है।  
प्रातः ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय के बाद स्थापना करें।  
इन्द्र एकादशी या शुभ नक्षत्र में स्थापना विशेष फलदायी मानी जाती है।  
आवश्यक सामग्री

### इन्द्र यंत्र

पीला या सफेद कपड़ा, चंदन, रोली, अक्षत, पीले या सफेद पुष्प  
धूप, दीप, कपूर, गंगाजल, फल और मिठाई, घी का दीपक, स्थापना विधि

### 1. स्थान की शुद्धि

पूजा स्थान को साफ करें और गंगाजल छिड़कें।

### 2. यंत्र स्थापना

चौकी पर पीला वस्त्र बिछाएँ।  
उस पर इन्द्र यंत्र स्थापित करें।  
दीपक जलाकर पूजा आरंभ करें।

### 3. संकल्प

हाथ में जल और पुष्प लेकर संकल्प करें:  
“मैं श्रद्धा और भक्ति से इन्द्र यंत्र की पूजा कर रहा/रही हूँ। इन्द्र देव कृपा  
कर मेरे जीवन में सुख, समृद्धि और सम्मान प्रदान करें।”

## 4. पूजन

चंदन, रोली और अक्षत अर्पित करें।

पुष्प अर्पित करें।

धूप-दीप दिखाएँ।

नैवेद्य अर्पित करें।

इन्द्र यंत्र मंत्र

ॐ इन्द्राय नमः॥ या

ॐ देवराजाय विद्महे

वज्रहस्ताय धीमहि।

तन्नो इन्द्रः प्रचोदयात्॥

इस मंत्र की 11, 21 या 108 माला जप करना शुभ माना जाता है।

## आरती

अंत में इन्द्र देव की आरती करें और प्रसाद वितरित करें।

## पूजा के लाभ

मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि

कार्यों में सफलता

सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास

कृषि और वर्षा संबंधी कृपा

धन-धान्य और सुख-समृद्धि

## विशेष सावधानियाँ

यंत्र को हमेशा स्वच्छ स्थान पर रखें।

पूजा करते समय मन शांत और श्रद्धा पूर्ण रखें।

नियमित दीप और धूप दिखाना शुभ माना जाता है।